Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[5402]-1011

M.A. (Part I) (Sem. I) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-1 : सामान्य स्तर

(प्राचीन और मध्ययुगीन काव्य : अमीर खुसरो और जायसी)

(2013 PATTERN)

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य

संपादक—डॉ. भोलानाथ तिवारी

(*ii*) पद्‌मावत : मलिक मोहम्मद जायसी

संपादक—वासुदेव शरण अग्रवाल

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. ''अमीर खुसरो के गीत किसी भी भावुक हृदय को द्रविभूत करने में सक्षम हैं''—सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अमीर खुसरो के काव्य में व्याप्त मनोरंजन और लोकरंजकता को सोदाहरण विशद कीजिए।

2. ''जायसी ने प्रकृति की मनोरम छटाओं को विविध रूपों से सुसज्जित करके अपने काव्य का शृंगार किया है—सोदाहरण विवेचन कीजिए।

P.T.O.

अथवा

"'पद्मावत' एक चरित्र-प्रधान काव्य है"—सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3. अमीर खुसरो की काव्य कला को विशद कीजिए।

अथवा

'पद्मावत' के महाकाव्यत्व पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अमीर खुसरो के ढकोसलों में मनोरंजन

(ख) अमीर खुसरो के काव्य की विशेषताएँ

(ग) रानी पद्मावती

(घ) जायसी की भाषा।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) "स्याम बरन की है एक नारी।
माथे ऊपर लागै प्यारी॥
जो मानुस इस अरथ को खोले।
कुत्ते की वह बोली बोले॥"

अथवा

"सारी रैन मोरे सँग जागा।
भोर भए तब बिछुड़न लागा॥
वाके बिछुड़त फाटे हिया।
ऐ सखी साजन, ना सखी दिया॥"

munotes.in

(ख) ‘‘सरवर तीर पदुमिनी आई। खौपा छोरि केस मोकराई॥
सिस मुख अंग मलैगिरि रानी। नागन्ह झाँपि लीन्ह अरघानी॥
ओनए मेघ परी जग छाहाँ। ससि की सरन लीन्ह जनु राहाँ॥
छपि गै दिनहि भानु कै दसा। लै निसि नखत चाँद परगसा॥
भूलि चकोर दिस्टि तहँ लावा। मेघ घटा महँ चाँद दिखावा॥

अथवा

‘‘राजैं सुनि बियोग तस माना। जैसें हिएँ बिक्रम पछिताना॥
वह हीरामनि पंडित सुआ। जौं बोलै अंब्रित चुआ॥
पंडित दुख खंडित निरदोखा। पंडित हुतें परै नहिं धोखा॥
पंडित केरि जीभि मुख सूधी। पंडित बात न कहै निबूधी॥
पंडित सुमति देइ पँथ लावा। जो कुपंथ तेहि पंडित न भावा॥’’

munotes.in

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5402]-1012

M.A. (Part I) (Semester I) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 2 : विशेष स्तर

आधुनिक हिंदी कथा साहित्य

(उपन्यास और कहानी)

(2013 PATTERN)

पाठ्‌यपुस्तकें :— (*i*) कलि-कथा : वाया बाइपास-अलका सरावगी.

(*ii*) हिंदी की श्रेष्ठ कहानियाँ—संपा. डॉ. सुरेश बावर.

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. ''मनहूसाबी'' कहानी में अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष व्यक्त हुआ है।'' इस कथन की विवेचना कीजिए।

अथवा

'उसकी माँ' कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

2. हिंदी उपन्यास विधा के विकास पर प्रकाश डालिए।

अथवा

अलका सरावगी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए।

3. 'मुम्बई कांड' कहानी के कथ्य एवं शिल्प पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'कलि-कथा : वाया बाइपास' उपन्यास की कलात्मकता को स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'इस जंगल' में कहानी का उद्देश्य

(ख) 'वह मैं ही थी' कहानी की संवाद-योजना

(ग) 'कलि-कथा : वाया बाइपास' उपन्यास की संवेदना

(घ) 'कलि-कथा : वाया बाइपास' का अमोलक

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) ''वे जानते ही नहीं कि उनके देश में ऐसे गाँव-कस्बे भी हैं, जहाँ डॉक्टर नहीं हैं, चिकित्सा की सुविधा नहीं हैं, जहाँ हर बीमारी का इलाज एस्पिरीन की गोली या तुलसी का काढा है।''

अथवा

''मनहूसाबी का पति बेहद सुंदर और सुरुचि-संपन्न है। उसके हर काम में एक धैर्य और लय है। वह अपने को काँच के गड्डे की तरह सँभालकर रखता है। न सिर्फ उसके कपड़े, उसका चरित्र भी बेदाग है।''

(ख) ''उत्तर कलकत्ता के 'काले शहर' और दक्षिण कलकत्ता के 'गोरे शहर' के बीच ये यूरेशियन लोग रहते हैं।''

अथवा

''किशोर बाबू ने पत्नी और बच्चों की ओर देखा। उन लोगों के चेहरे देखकर उन्हें अपने अंदर एक गहरी टीस का अनुभव हुआ।''

munotes.in

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5402]-1013

M.A. (Part I) (First Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-3 : विशेष स्तर

भारतीय साहित्यशास्त्र

(2013 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. भरतमुनि का रससूत्र बताते हुए रस के संबंध में भट्टनायक तथा शंकुक की व्याख्याओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

साधारणीकरण की अवधारणा विशद कीजिए।

2. रीति सम्प्रदाय का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

ध्वनि के प्रकारों का परिचय दीजिए।

3. वक्रोक्ति के भेदों को सोदाहरण समझाइए।

अथवा

औचित्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) रस के अवयवों का परिचय दीजिए।

(ख) अलंकार सिद्धांत का स्वरूप लिखिए।

(ग) रीति और शैली को स्पष्ट कीजिए।

(घ) ध्वनि सिद्धांत का महत्व लिखिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) करुण रस का आस्वादन

(ख) काव्य में अलंकार का स्थान

(ग) ध्वनि की परिभाषा

(घ) आचार्य क्षेमेन्द्र के औचित्य विचार।

munotes.in

Total No. of Questions—**5+5+5+5**] [Total No. of Printed Pages—**10**

Seat No.	

[5402]-1014

M.A. (Part I) (First Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

(Optional Paper I)

प्रश्न-पत्र 4 : विशेष स्तर वैकल्पिक

(2013 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना—निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

(आ) विशेष साहित्यकार : कवि तुलसीदास

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार सुरेंद्र वर्मा

(ई) विशेष साहित्यकार : कवि रामधारी सिंह 'दिनकर'

(अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

पाठ्य-पुस्तक : कबीर ग्रंथावली—संपादक : श्यामसुंदर दास।

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

"कबीर के काव्य में प्रेम और रहस्य की रमणीय अभिव्यक्ति हुई है।" सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

munotes.in

2. कबीर काव्य में वर्णित जीव तथा ब्रह्म संबंधी दार्शनिक विचारों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कबीर काव्य की प्रासंगिकता को सोदाहरण समझाइए।

3. हिंदी की निर्गुण काव्यधारा के विकासक्रम का परिचय दीजिए।

अथवा

कबीर के धार्मिक विचारों को सोदाहरण समझाइए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) कबीर के माया संबंधी दार्शनिक विचारों को स्पष्ट कीजिए।

(ख) कबीर के काव्य में वर्णित समन्वयवादी भावना पर प्रकाश डालिए।

(ग) कबीर के निर्गुण राम के विभिन्न रूपों का परिचय दीजिए।

(घ) पठित दोहों के आधार पर कबीर के काल संबंधी विचारों को स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) जाका गुर भी अंधला, चेला खरा निरंध।
अंधा अंधा ठेलिया, दून्यूँ कूप पडंत॥

अथवा

चोट सताड़ी बिरह की, सब तन जर जर होइ।
मारणहारा जॉणिहै, कै जिहिं लागी सोइ॥

munotes.in

(ख) पाँणी केरा बुदबुदा, इसी हमारी जाति।

एक दिनाँ छिप जाँहिंगे, तारे ज्यूँ परभाति॥

अथवा

संत धोखा कासूँ कहिए।

गुँण मैं निरगुँण निरगुँण मैं गुण है, बाट छाँड़ि क्यूँ बहिए॥

अजरा अमर कथैं सब कोई, अला न कथणाँ जाई।

नाति सरूप बरण नहीं जाकै, घटि घटि रह्यौ समाई॥

प्यंड ब्रह्मंड कथै सब कोई, वाकै आदि अरु अंत न होई।

प्यंड ब्रह्मंड छाँड़ि जे कथिए, कहै कबीर हरि सोई॥

munotes.in

(आ) विशेष साहित्यकार : कवि तुलसीदास

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) रामचरितमानस : अयोध्याकांड

(*ii*) विनयपत्रिका—संपादक : वियोगी हरि।

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. तुलसीदास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

कवि तुलसीदास की दार्शनिक भावना को समझाइए।

2. रामचरितमानस के महाकाव्यत्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

तुलसीदास के मर्यादावाद को स्पष्ट कीजिए।

3. विनयपत्रिका में समन्वय भाव के प्रयोजन को सिद्ध कीजिए।

अथवा

भक्ति काव्यधारा में विनयपत्रिका का स्थान निर्धारित कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) रामचरितमानस की भाषा-शैली को स्पष्ट कीजिए।

(ख) अयोध्याकांड के आधार पर कैकयी का चरित्रांकन कीजिए।

(ग) विनयपत्रिका में निहित भक्ति-भाव पर प्रकाश डालिए।

(घ) विनयपत्रिका के कला-पक्ष को समझाइए।

munotes.in

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(च) ''सुनि सनेह साने बचन। मुनि रघुबरहि प्रसंस॥
राम कस न तुम्ह कहहुँ अस। हंस बंस अवतंस॥
बरनि राम गुन सीलु सुभाऊ। बोले प्रेम पुलकि मुनिराऊ॥
भूप सजेउ अभिषेक समाजू। चाहत देन तुम्हहि जुबराजू॥''

अथवा

''एक समय सब सहित समाजा। राजसभाँ रघुराजु बिराजा॥
सकल सुकृत मूरति नरनाहू। राम सुजसु सुनि अतिहि उछाहू॥
नृप सब रहहिं कृपा अभिलाषें। लोकप करहिं प्रीति रुख राखें॥
वन तीनि काल जग माहीं। भूरिभाग दसरथ सम नाहीं॥''

(छ) ''तोहि ते आयो सरन सबेरें।
ग्यान, बिराग, भगति साधन कछु सपनेहुँ नाथ न मेरे ॥१॥
लोभ, मोह, मद, काम, क्रोध रिपु फिरत रैन-दिन घेरें।
तिनहिं मिले मन भयो कुपथ-रत, फिरै तिहारेहिं फेरें ॥२॥''

अथवा

''रघुपति विपत्ति-दवन।
परम, कृपालु प्रनत-प्रतिपालक, पतित-पवन ॥१॥
कूर कुटिल, रघुहीन, दीन, अति मलिन-जवन।
सुमिरत नाम राम, पठये सब अपने भवन ॥२॥

munotes.in

[5402]-1014

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार सुरेंद्र वर्मा

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) सेतुबंध।

(*ii*) सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक।

(*iii*) आठवाँ सर्ग।

(*iv*) रति का कंगन।

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाटक के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

अथवा

सुरेंद्र वर्मा के नाटकों का सामान्य परिचय दीजिए।

2. नाटक कला के तत्वों के आधार पर 'आठवाँ सर्ग' की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'सेतुबंध' नाटक के पात्रों का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3. ''सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक'' नाटक की ऐतिहासिकता एवं आधुनिकता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

कथ्य एवं शिल्प की दृष्टि से ''रति का कंगन'' नाटक की समीक्षा कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) 'रति का कंगन' नाटक के मल्लिनाग का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) 'सेतुबंध' नाटक के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

(ग) भारतीय दृष्टि से नाटक के प्रमुख तत्वों का विवेचन कीजिए।

(घ) सुरेंद्र वर्मा के व्यक्तित्व की विशेषताएँ लिखिए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(च) ''यह कलंक भी छोटा नहीं, बहुत बड़ा होगा। रचनात्मक शैथिल्य का कलंक नहीं, अपमानित समझौते का कलंक................।''

अथवा

''विषाद की उस छाया में मैं कोई और अर्थ नहीं पढ़ पाई। शोक का जो रूप देखा, उसे सहज ही समझा। इतने ख्यातिप्राप्त कवि थे, भूतपूर्व शिक्षक थे, उनके पिता के स्नेहभाजन थे। कुछ अस्वाभाविक, कुछ विशेष समझने का कारण ही कहाँ था ?

(छ) ''यह सबसे कोमल मर्मबिंदु से जुड़ी है........आत्मसम्मान के साँस जैसे सूक्ष्म और जीवात्मा के तार से........लेकिन आप नहीं समझेंगे..........आप लोग पुरुष हैं न..........संपूर्ण।''

अथवा

''तुम फिर आ गए अपने धरातल पर! तुम मानक लेखक हो जो तुम्हें मानक प्रतिशत मिलेगा ? वैसे भी तुम्हारे जैसे नए लेखिनीघसीटू को मानदेय देता कौन है ? एकबारगी भुगतान करके प्रकाशक प्रलय के लिए मोल ले लेता है।''

munotes.in

(ई) विशेष साहित्यकार : कवि रामधारी सिंह 'दिनकर'

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) कुरुक्षेत्र

(*ii*) उर्वशी

(*iii*) हुंकार

(*iv*) बापू

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. 'कुरुक्षेत्र' का काव्य-सौष्ठव स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'उर्वशी' काव्य के अनुभूति पक्ष को विशद कीजिए।

2. 'हुंकार' काव्य का अभिव्यक्ति पक्ष समझाइए।

अथवा

'बापू' काव्य का आशय स्पष्ट कीजिए।

3. कवि 'दिनकर' के जीवनवृत्त एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

''दिनकर के काव्य में प्रगतिवादी भावनाएँ लक्षित होती है।'' समझाइए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) 'दिनकर' के काव्य में प्रेमभाव को स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'कुरुक्षेत्र' काव्य का अनुभूति पक्ष समझाइए।

(ग) 'उर्वशी' काव्य के पात्रों का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) 'बापू' काव्य के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) ''जिस दिन समर की अग्नि बुझ शांत हुई,
एक आग तब से ही जलती है मन में;
हाय, पितामह, किसी भाँति नहीं देखता हूँ
मुँह दिखलाने योग्य निज को भुवन में
ऐसा लगता है, लोग देखते है घृणा से मुझे
धिक् सुनता हूँ अपने पै कण-कण में।''

अथवा

''और परम सुंदर भी
ऐसा मनोमुग्धकारी तो होता नहीं अमर भी
इसीलिए तो सखी उर्वशी, उषा नन्दनवन की
सुरपुर की कौमुदी, कलित कामना इन्द्र के मन की।''

(ख) ''उनका किरीट, जो कुहा-भंग
करके प्रचण्ड हुंकारों से,
रोशनी छिटकती है जग में
जिनके शोणित की धारों से।''

munotes.in

अथवा

सिंह की हुंकार है हुंकार निर्भय वीर नर की।
सिंह जब वन में गरजता है,
जन्तुओं के शीश फट जाते,
प्राण लेकर भीत कुंजर भागता है।

munotes.in

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5402]-2011

M.A. (Part I) (II Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-5 : सामान्य स्तर

मध्ययुगीन हिंदी काव्य

(सूरदास, बिहारी तथा भूषण)

(2013 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 50**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) सूरदास : भ्रमरगीत सार—संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल

(*ii*) बिहारी रत्नाकर : श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकर'

(*iii*) रीतिकाव्य धारा : संपा. डॉ. रामचंद्र तिवारी/डॉ. रामफेर त्रिपाठी

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. ''भ्रमरगीत में प्रकृति के विविध रूपों का चित्रण हुआ है।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भ्रमरगीत के कला-पक्ष को सोदाहरण विशद कीजिए।

2. सतसई परंपरा में बिहारी के स्थान को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

बिहारी के सौंदर्य वर्णन पर प्रकाश डालिए।

3. हिंदी काव्य में भूषण के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भूषण के काव्य-शिल्प पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) भ्रमरगीत के विरह वर्णन पर प्रकाश डालिए।

(ख) बिहारी की अलंकार योजना को स्पष्ट कीजिए।

(ग) भूषणकालीन सामाजिक परिस्थिति को समझाइए।

(घ) सूर की गोपियों की विशेषताएँ लिखिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) ''आयो घोष बड़ो व्योपारी।
लादि खेप गुन ज्ञान-जोग की ब्रज में आन उतारी॥
फाटक दै कर हाटक माँगत भोरै निपट सुधारी।
धुर ही तें खोटी खायों है लये फिरै सिर भारी॥''

(ख) ''तंत्री-नाद, कवित्र-रस, सरस राग, रति रंग।
अनबूडै बूडै तिरे, जे बूडे सब अंग॥''

(ग) ''जा पर साहि तनै शिवराज सुरेस कि ऐसी सभा सुभ साजै।
यों कवि भूषण जंपत हैं लखि संपति को अलकापति लाजै॥
जा मधि तीनिहू लोक कि दीपति ऐसो बड़ो गढ़राज बिराजै।
वारि पताल सी माची मही अमरावति की छवि ऊपर छाजै॥''

munotes.in

Total No. of Questions—**5**]

[Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5402]-2012

M.A. (Part I) (Second Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-6 : विशेष स्तर

(आधुनिक हिंदी नाटक और निबंध)

(2013 PATTERN)

पाठ्यपुस्तकें :—(*i*) नाटक 'अभंग-गाथा' : डॉ. नरेंद्र मोहन।

(*ii*) निबंधमाला. संपा. : डॉ. सुरेश बाबर

डॉ. नीला बोर्वणकर।

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. हिंदी नाटक के विकासक्रम का संक्षेप में परिचय दीजिए।

अथवा

'अभंग-गाथा' नाटक के प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण कीजिए।

2. 'पानी है अनमोल' निबंध में निहित यथार्थ को लिखिए।

अथवा

'संस्कृति क्या है ?' निबंध में चित्रित वैचारिकता को अपने शब्दों में लिखिए।

3. नाटक के तत्वों के आधार पर 'अभंग-गाथा' नाटक की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'ताज' निबंध के माध्यम से लेखक ने कौनसा संदेश दिया है ?

P.T.O.

munotes.in

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'अभंग-गाथा' नाटक का महत्व

(ख) 'अभंग-गाथा' नाटक के तुकाराम

(ग) 'उत्साह' निबंध का उद्देश्य

(घ) 'कलाकार का सत्य' निबंध का केंद्रीय भाव।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(च) "मैंने वीणा की लकड़ी को उसके मूल रूप में जाना है—उसके कच्चे रूप में। उसे बनते देखा है बचपन से आज तक—उसके कोनों को, उभारों को .... मैं उसमें लीन हो जाता हूँ और वह बजने लगती है।"

अथवा

"अजब है यह तुका ! पता नहीं किस मिट्टी का बना है ? परंपरागत विचारसरणियों, साधु समाज और ब्राह्मणों से, सोच और चिंतन के प्रहरियों से टक्कर लेता ही रहता है। कहता है, मैं हूँ शब्द-प्रहरी—शब्द का रखवाला, शब्द से प्रहार करने वाला कहता है, शब्द ब्रह्म है।"

(छ) "पुस्तकालय खोलकर जिस प्रकार से भी हो, इसकी रक्षा करो और इसको आगे बढ़ाने का प्रयत्न करो। अगर बढ़ा सके तो बहुत अच्छी बात है, नहीं तो इतना तो तुम्हारा कर्तव्य अवश्य है कि यह नष्ट न होने पाये और अगली पीढ़ी के लिए सुरक्षित रहे।"

अथवा

"माँ का मिलना जीवन में एक तरह की समस्याओं को जन्म देता है और उसका न मिलना दूसरी तरह की उलझनों को पैदा करता है। इस कारण माँ का मिलना और न मिलना अनित्य है और दोनों स्थितियों में पछताना नित्य है।"

munotes.in

Total No. of Questions—**5**]

[Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5402]-2013

M.A. (Part-I) (II Sem.) EXAMINATION, 2018

हिन्दी (HINDI)

प्रश्नपत्र-7 : विशेष स्तर—पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

(2013 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 50**

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. प्लेटो के अनुकरण विषयक विचारों का विवेचन कीजिए।

अथवा

अरस्तू के विरेचन सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए।

2. उदात्त के अंतरंग तथा बहिरंग तत्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

आई.ए. रिचर्ड्स के संप्रेषण सिद्धांत की परिभाषा और स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

3. वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत विशद कीजिए।

अथवा

सैद्धांतिक एवं मार्क्सवादी आलोचना का विवेचन कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) प्लेटो के काव्यविषयक विचार लिखिए।

(ख) काव्य में उदात्त का महत्व स्पष्ट कीजिए।

(ग) रिचर्ड्स के मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद का परिचय दीजिए।

(घ) उत्तर-आधुनिकता को विशद कीजिए।

P.T.O.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(च) संप्रेषण सिद्धांत का महत्व

(छ) इलियट का महत्व

(ज) प्रतीकवाद

(झ) मार्क्सवादी आलोचना।

munotes.in

Total No. of Questions—**5+5+5+5**] [Total No. of Printed Pages—**7**

Seat No.	

[5402]-2014

M.A. (Part I) (Second Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

(Optional Paper-I)

प्रश्नपत्र-8 : विशेषस्तर (वैकल्पिक)

विशेष विधा तथा अन्य

(Credit System)

(2013 PATTERN)

muntes.in

महत्वपूर्ण सूचना :— निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) हिंदी उपन्यास

(ख) हिंदी यात्रा साहित्य : स्वरूप और विकास

(ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

(घ) हिंदी दलित साहित्य

(क) हिंदी उपन्यास

पाठ्य-पुस्तकें :— (1) चित्रलेखा : भगवतीचरण वर्मा

(2) गोदान : प्रेमचंद

(3) अलग-अलग वैतरणी : शिवप्रसाद सिंह

(4) परिशिष्ट : गिरिराज किशोर

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. 'चित्रलेखा' उपन्यास की तात्विक समीक्षा कीजिए।

अथवा

''गोदान' उपन्यास किसान जीवन की महागाथा है।''- विवेचन कीजिए।

(ख) हिंदी यात्रा साहित्य : स्वरूप और विकास

पाठ्य पुस्तकें :— (1) मेरी जीवनयात्रा, भाग-2 : राहुल सांकृत्यायन।
(2) एक बूँद सहसा उछली : सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'।
(3) चीड़ों पर चाँदनी : निर्मल वर्मा।
(4) सूर्य मंदिरों की खोज में : डॉ. श्यामसिंह 'शशि'।

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. यात्रा-साहित्य का अन्य गद्य विधाओं से संबंध स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भारतेंदुयुगीन यात्रा-साहित्य का परिचय दीजिए।

2. 'मेरी जीवनयात्रा, भाग-2' यात्रा साहित्य में लेखक ने अपने जीवन के अनुभवों को किस प्रकार व्यक्त किया है ?

अथवा

'एक बूँद सहसा उछली' यात्रा साहित्य की विशेषताएँ लिखिए।

3. 'चीड़ों पर चाँदनी' यात्रा साहित्य की तात्विक समीक्षा कीजिए।

अथवा

'सूर्य मंदिरों की खोज में' चित्रित भारतीय मंदिरों एवं लोकजीवन का विवेचन कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) यात्रा साहित्य की परिभाषा लिखिए।

(ख) द्विवेदीयुगीन यात्रा साहित्य की विशेषताएँ लिखिए।

(ग) मेरी जीवनयात्रा, भाग-2 की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।

(घ) 'एक बूँद सहसा उछली' यात्रा साहित्य की विशेषताएँ लिखिए।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5402]-3011

M.A. (Sem. III) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-9 : सामान्य स्तर : आधुनिक काव्य—I

(महाकाव्य तथा खण्डकाव्य)

(2013 PATTERN)

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) कामायनी—जयशंकर प्रसाद

(*ii*) गोपा गौतम—डॉ. जगदीश गुप्त

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. कामायनी के मनु की चरित्रगत विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

कामायनी की दार्शनिकता पर प्रकाश डालिए।

2. गोपा गौतम की कथावस्तु लिखिए।

अथवा

गोपा गौतम खण्डकाव्य में निहित आधुनिकबोध को स्पष्ट कीजिए।

3. कामायनी के कला-पक्ष पर प्रकाश डालिए।

अथवा

गोपा गौतम खण्डकाव्य का उद्देश्य लिखिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) कामायनी का महाकाव्यत्व

(ख) कामायनी का 'आनंद' सर्ग

(ग) गोपा गौतम की भाषा

(घ) गोपा गौतम के गौतम।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) "स्वागत! पर देख रहे हो तुम यह उजड़ा सारस्वत प्रदेश
भौतिक हलचल से यह चंचल हो उठा देश ही था मेरा
इसमें अब तक हूँ पड़ी इसी आशा से आये दिन मेरा।"

अथवा

"चेतन का साक्षी मानव हो निर्विकार हँसता-सा
मानस के मधु मिलन में गहरे-गहरे धँसता-सा।
सब भेद-भाव भुलवाकर दुख-सुख को दृश्य बनाता,
मानव कर रे! 'यह मैं हूँ', यव विश्व नीड़ बन जाता।"

(ख) "खेद है तुम्हें
मुझसे परिणय का!
तब मैं क्या बात करूँ
जाओ अब सो रहो।
राहुल-मय हो रहो।"

अथवा

"मुझसे तो सीता अच्छी थीं,
मिला जिन्हें मातृत्व विजन में।
मैं, घर से, माता बनकर भी,
त्याग दी गयी, सहसा, क्षण में।"

munotes.in

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5402]-3012

M.A. (III Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-10 : विशेषस्तर-भाषाविज्ञान

(2013 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 50**

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समन अंक हैं।

munotes.in

1. भाषा की परिभाषा देकर उसकी विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भाषाविज्ञान की शाखाओं को विशद कीजिए।

2. व्यंजन वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

स्वन परिवर्तन के कारण स्पष्ट कीजिए।

3. वाक्य की परिभाषा देकर उसके स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

स्वनिम की परिभाषा देकर स्वनिम का स्वरूप प्रस्तुत कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ स्पष्ट कीजिए।

(ख) स्वन और स्वनिम में अंतर स्पष्ट कीजिए।

(ग) भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशाएँ स्पष्ट कीजिए।

(घ) अर्थबोध के साधन स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) रूपिम का स्वरूप

(ख) वाक्य विश्लेषण

(ग) अर्थबोध के बाधक तत्त्व

(घ) भाषाविज्ञान का स्वरूप.

munotes.in

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5402]-3013

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र–11 : विशेष स्तर

हिंदी साहित्य का इतिहास

(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तक)

(2013 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. आदिकाल की पृष्ठभूमि और उसका तत्कालीन साहित्य पर पड़े प्रभाव को विशद कीजिए।

अथवा

'रासो' शब्द का अर्थ बताकर रासो काव्य परंपरा का परिचय दीजिए।

2. भक्तिकालीन सामाजिक तथा राजनीतिक पृष्ठभूमि का विस्तार से विवेचन कीजिए।

अथवा

संत कबीर और तुलसीदास के काव्य की सामाजिक उपादेयता को समझाइए।

3. रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ लिखिए।

अथवा

'रीतिकालीन साहित्य पर संस्कृत साहित्य का प्रभाव है।' स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

munotes.in

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) जैन साहित्य का परिचय दीजिए।

(ख) संत रैदास का परिचय दीजिए।

(ग) भारतीय धर्म साधना में संत कवियों के स्थान को स्पष्ट कीजिए।

(घ) कवि केशवदास के साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) आदिकालीन गद्य साहित्य का परिचय दीजिए

(ख) संत कबीर

(ग) वल्लभ संप्रदाय

(घ) रीतिकालीन लोकजीवन।

munotes.in

Total No. of Questions—**5+5+5**] [Total No. of Printed Pages—**6**

Seat No.	

[5402]-3014

M.A. (III Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-12 : विशेष स्तर-वैकल्पिक

(2013 PATTERN)

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

(आ) अनुवाद विज्ञान

(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 50**

munotes.in

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. आलोचना के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए आलोचक के गुणों का विवेचन कीजिए।

अथवा

हिंदी आलोचना में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के योगदान पर प्रकाश डालिए।

2. हिंदी आलोचना के विकासक्रम में डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी का स्थान निर्धारित कीजिए।

अथवा

आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना पद्धति का विवेचन कीजिए।

3. आलोचना के संबंध में डॉ. नगेन्द्र की मान्यताओं को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

समकालीन आलोचना के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) समकालीन आलोचना की अवधारणा 'विसंगती' को स्पष्ट कीजिए।

(ख) डॉ. रामविलास शर्मा की आलोचना पद्धति को स्पष्ट कीजिए।

(ग) आलोचना की प्रक्रिया का विवेचन कीजिए।

(घ) विखंडन की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) आलोचक नामवर सिंह

(ख) अंतर्विरोध

(ग) डॉ. नंददुलारे वाजपेयी का आलोचना साहित्य

(घ) आलोचना और अनुसंधान।

munotes.in

[5402]-3014

(आ) अनुवाद विज्ञान

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. अनुवाद के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसकी व्याप्ति पर प्रकाश डालिए।

अथवा

अनुवाद की प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए।

2. विधा के आधार पर अनुवाद के प्रकारों का विवेचन कीजिए।

अथवा

अनुवाद और भाषा विज्ञान के पारस्परिक संबंधों पर प्रकाश डालिए।

3. वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्री के अनुवाद का स्वरूप एवं सीमाएँ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

बैंक क्षेत्र की सामग्री के अनुवाद की आवश्यकता, स्वरूप एवं सीमाएँ स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) कम्प्यूटर अनुवाद की आवश्यकता स्पष्ट कीजिए।

(ख) अनुवाद समीक्षा के निकष कौन-कौनसे हैं?

(ग) अनुवाद कार्य में सहायक साधनों का परिचय दीजिए।

(घ) नाट्यानुवाद का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

munotes.in

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अनुवाद का महत्व

(ख) छायानुवाद

(ग) कम्प्यूटर अनुवाद की सीमाएँ

(घ) अनुवाद समीक्षा की आवश्यकता।

munotes.in

[5402]-3014

(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. जनसंचार माध्यमों के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए उसके प्रकार लिखिए।

अथवा

भारतीय संचार तकनीकी के इतिहास पर प्रकाश डालिए।

2. जनसंचार माध्यमों में साहित्य की आवश्यकता स्पष्ट कीजिए।

अथवा

19वीं शती के उत्तरार्द्ध की हिंदी पत्रकारिता पर प्रकाश डालिए।

3. साक्षात्कार के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

मुक्त प्रेस की अवधारणा को विस्तार से समझाइये।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) रेडियो पत्रकारिता का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(ख) पत्रकारिता के सामाजिक दायित्व पर प्रकाश डालिए।

munotes.in

(ग) हिंदी की महिला पत्रिकाओं की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

(घ) भारतीय संविधान में प्रदत्त सूचनाधिकार को स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) जनसंचार माध्यमों की आवश्यकता

(ख) विकासमूलक जनसंचार

(ग) जनसंचार माध्यमों के कवि-केन्द्रित कार्यक्रम

(घ) समाचार के विभिन्न स्रोत।

munotes.in

Total No. of Questions—5] [Total No. of Printed Pages—2

Seat No.	

[5402]-4011

M.A. (Part II) (Semester IV) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-13 : सामान्य स्तर-आधुनिक काव्य-2

(विशेष कवि—कुँवर नारायण तथा नई कविता)

(2013 PATTERN)

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) विशेष कवि—कुँवर नारायण
संपा. : डॉ. सुरेश बाबर, डॉ. नीला बोर्वणकर

(*ii*) नई कविता
संपा. : डॉ. सुरेश बाबर, डॉ. अलका पोतदार

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. कवि कुँवर नारायण के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ सोदाहरण लिखिए।

अथवा

कवि कुँवर नारायण की कविता के भाषा-पक्ष पर प्रकाश डालिए।

2. ''कात्यायनी की कविता वर्तमान समाज का दर्पण है।'' इस कथन को समझाइए।

अथवा

उदय प्रकाश की कविता का भाव-पक्ष स्पष्ट कीजिए।

3. लीलाधर जगूडी के काव्य की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

अथवा

''दामोदर मोरे की कविता विद्रोह और क्रांति की कविता है।'' सोदाहरण समझाइए।

P.T.O.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) कुँवर नारायण कृत 'चक्रव्यूह' कविता की मूल संवेदना।

(ख) कात्यायनी के काव्य का भाषा-पक्ष।

(ग) उदय प्रकाश कृत 'माँ' कविता का आशय लिखिए।

(घ) नई कविता की सामान्य प्रवृत्तियाँ लिखिए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) ''कोई चाहे भी तो रोक नहीं सकता
भाषा में उसका बयान
जिसका पूरा मतलब है सचाई
जिसकी पूरी कोशिश है बेहतर इन्सान।''

अथवा

''बार-बार उभरता है
एक डर
परिवार को छोड़ेंगे
घर के भरोसे
लेकिन किसके भरोसे पर छोड़ेंगे घर ?''

(ख) ''घरों का इतिहास तो निकल आता है
पर टूटे हुए दिलों
और खोये हुए रास्तों का नहीं।
इसलिए मेरे बच्चो,
राहें भटकनी नहीं चाहिए भरसक
न ही दिल टूटने चाहिए
हमेशा के लिए।''

अथवा

''उससे इतना ही कह दे :
'हाथ फैलाना नहीं है अपना कर्म
छीन लिया है जो अपना
वह छीन के लेना ही, है युगधर्म।''

munotes.in

Total No. of Questions—5] [Total No. of Printed Pages—2

Seat No.	

[5402]-4012

M.A. (Part II) (Fourth Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-14 : विशेष स्तर

हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास

(2013 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 50**

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. हिंदी भाषा के उद्‌भव एवं विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को समझाइए।

अथवा

मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाओं के रूप में पालि और अपभ्रंश का परिचय दीजिए।

2. आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं के वर्गीकरण को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

हिंदी की बोलियों का वर्गीकरण प्रस्तुत करते हुए उनके क्षेत्र पर प्रकाश डालिए।

3. देवनागरी लिपि के उद्‌भव और विकास का परिचय दीजिए।

अथवा

हिंदी के लिंग, वचन और कारक की रूप-रचना को समझाइए।

munotes.in

P.T.O.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) लौकिक संस्कृत का परिचय दीजिए।

(ख) ग्रियर्सन के आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं के वर्गीकरण को समझाइए।

(ग) हिंदी प्रसार के आंदोलन में किसी **एक** संस्था के योगदान पर प्रकाश डालिए।

(घ) हिंदी शब्द निर्माण में उपसर्ग के महत्व को समझाइए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अपभ्रंश और पुरानी हिंदी का सम्बन्ध

(ख) ब्राह्मी लिपि

(ग) हिंदी भाषा प्रसार में काका कालेलकर का योगदान

(घ) विशेषण।

munotes.in

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5402]-4013

M.A. (Part-II) (IV Sem.) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिन्दी)

प्रश्नपत्र-15 : विशेष स्तर-हिन्दी साहित्य का इतिहास

(आधुनिक काव्य)

(2013 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 50**

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. भारतेंदुपूर्व काल के हिंदी गद्य का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

हिंदी उपन्यास साहित्य के विकासक्रम का परिचय दीजिए।

2. प्रेमचंदयुगीन कहानी साहित्य की कथ्य एवं शिल्पगत विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

छायावादी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ लिखिए।

3. प्रगतिवादी हिंदी कविता का स्वरूप स्पष्ट करते हुए प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए।

अथवा

समकालीन कविता की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) हिंदी यात्रा-साहित्य का सामान्य परिचय दीजिए।

(ख) उपन्यासकार प्रेमचंद का परिचय दीजिए।

(ग) प्रयोगवादी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ लिखिए।

(घ) द्विवेदीयुगीन कविता की सामान्य विशेषताएँ लिखिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) कहानीकार उदयप्रकाश

(ख) कवि–मुक्तिबोध

(ग) हिंदी राष्ट्रीय काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ लिखिए

(घ) कवि धूमिल।

munotes.in

Total No. of Questions—**5+5+5**] [Total No. of Printed Pages—**4**

Seat No.	

[5402]-4014

M.A. (Part II) (IV Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-16 : विशेषस्तर (वैकल्पिक)

(2013 PATTERN)

(क) भारतीय साहित्य

(ख) लोक साहित्य

(ग) अनुसंधान प्रक्रिया : स्वरूप और क्षेत्र

(क) भारतीय साहित्य

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. भारतीय साहित्य के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

अथवा

''भारतीय साहित्य भारतीय मूल्यों का दर्पण है।'' स्पष्ट कीजिए।

2. 'बारोमास' में चित्रित ग्रामीण जीवन की समस्याओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

'बारोमास' के प्रमुख पात्रों की चारित्रिक-विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

3. नागमंडल की कथावस्तु विस्तार से लिखिए।

अथवा

''गिरीश कर्नाड भारतीय नाट्य-क्षेत्र के महत्त्वपूर्ण नाटककार हैं।'' 'नागमंडल' के आधार पर समझाइए।

P.T.O.

4. आत्मकथा का स्वरूप स्पष्ट करते हुए 'खानाबदोश' का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

'खानाबदोश' की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) भारतीयता का स्वरूप

(ख) 'बारोमास' उपन्यास का शीर्षक

(ग) 'नागमंडल' की नाट्य-भाषा

(घ) 'खानाबदोश' में चित्रित अजीत कौर का पारिवारिक जीवन।

munotes.in

[5402]-4014

(ख) लोकसाहित्य

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. 'लोक' शब्द की व्युत्पत्ति देते हुए लोकवार्ता का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

लोकसाहित्य का इतिहास तथा पुरातत्व के साथ संबंध स्पष्ट कीजिए।

2. लोकगीत के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए सोहर और सावनगीत का परिचय दीजिए।

अथवा

लोकगाथा के उत्पत्तिविषयक सिद्धांत स्पष्ट कीजिए।

3. लोककथा की परिभाषा देते हुए उसके वर्गीकरण पर प्रकाश कीजिए।

अथवा

लोकनाट्य और शास्त्रीय नाटक का अंतर स्पष्ट करते हुए रासलीला का परिचय दीजिए।

4. निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए :

(1) लोकसाहित्य का धर्मशास्त्र के साथ संबंध स्पष्ट कीजिए।

(2) लोकसाहित्य-संकलनकर्ता की कठिनाइयों का विवेचन कीजिए।

(3) लोकगाथा 'हीर राँझा' का परिचय दीजिए।

(4) लोककथा में अभिप्राय का महत्व स्पष्ट कीजिए।

5. टिप्पणियाँ लिखिए (किन्हीं **दो** पर) :

(क) सूक्तियाँ

(ख) मंत्र तथा टोना

(ग) लोकसाहित्य की भाषा

(घ) लोकसाहित्य में भाव-व्यंजना।

munotes.in

[5402]-4014

(ग) अनुसंधान प्रक्रिया : स्वरूप और क्षेत्र

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. अनुसंधान की विविध परिभाषाओं का विश्लेषण करते हुए उसकी प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अनुसंधान के प्रकार लिखते हुए ऐतिहासिक अनुसंधान पर प्रकाश डालिए।

2. अनुसंधान के मूल तत्वों की चर्चा कीजिए।

अथवा

साहित्यिक अनुसंधान का आलोचना से अंतर स्पष्ट कीजिए।

3. शोधकर्ता तथा शोध-निर्देशक के गुणों का विवेचन कीजिए।

अथवा

शोध-प्रबंध लेखन में संदर्भ-उल्लेख के प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए :

(1) अनुसंधान का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(2) शोध-प्रबंध में रूपरेखा की आवश्यकता प्रतिपादित कीजिए।

(3) पाठालोचन के मुख्य सिद्धांत संक्षेप में लिखिए।

(4) भाषा और साहित्य के अध्यापन सूत्रों पर प्रकाश डालिए।

5. टिप्पणियाँ लिखिए (किन्हीं **दो** पर) :

(1) साहित्येतर अनुसंधान

(2) अनुसंधान शब्द के पर्याय

(3) भूमिका-लेखन

(4) सहायक ग्रंथ सूची का महत्व।

munotes.in

munotes.in